INDUSTRIAL RELATIONS AND LABOUR LAWS

FACTORS INFLUENCING THE GROWTH OF TRADE UNIONS

By

Dr. Santosh Kumar Lal

Dept. of Commerce

Sariya College, Suriya

FACTORS INFLUENCING THE GROWTH OF TRADE UNIONS (ट्रेड यूनियनों की वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक)

Trade Unions are voluntary organizations formed by workers to protect their economic, social, and political interests. The growth of trade unions did not happen overnight. It was influenced by several economic, social, political, legal, and industrial factors. These factors created conditions that made workers realize the need for collective action.

ट्रेड यूनियन श्रमिकों द्वारा बनाए गए स्वैच्छिक संगठन होते हैं, जिनका उद्देश्य उनके आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक हितों की रक्षा करना होता है। ट्रेड यूनियनों का विकास अचानक नहीं हुआ, बल्कि इसके पीछे कई आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, कानूनी और औद्योगिक कारक रहे हैं, जिन्होंने श्रमिकों को सामूहिक संगठन की आवश्यकता का एहसास कराया।

INDUSTRIAL REVOLUTION
(औद्योगिक क्रांति)

The Industrial Revolution played a crucial role in the growth of trade unions. Large-scale industries replaced small workshops, leading to mass employment. Workers faced long working hours, low wages, unsafe working conditions, and job insecurity. These problems encouraged workers to unite and form trade unions to collectively fight exploitation.

औद्योगिक क्रांति ने ट्रेड यूनियनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छोटे कारीगरों की जगह बड़े कारखानों ने ले ली, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिकों को रोजगार मिला। लंबे कार्य घंटे, कम वेतन, असुरक्षित कार्य स्थितियाँ और नौकरी की अनिश्चितता ने श्रमिकों को एकजुट होकर ट्रेड यूनियन बनाने के लिए प्रेरित किया।

EXPLOITATION OF WORKERS
(श्रमिकों का शोषण)

Capitalist employers often exploited workers by paying low wages, denying job security, and forcing them to work in unhealthy conditions. Child labor and women exploitation were also common. Trade unions emerged as a powerful tool to resist exploitation and demand fair treatment.

पूंजीवादी नियोक्ताओं द्वारा श्रमिकों का शोषण आम बात थी। कम मजदूरी, नौकरी की असुरक्षा और अस्वस्थ परिस्थितियों में काम करना श्रमिकों की मजबूरी थी। बाल श्रम और महिला शोषण भी प्रचलित थे। इन समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाने के लिए ट्रेड यूनियन एक सशक्त माध्यम बने।

POOR WORKING CONDITIONS
(खराब कार्य परिस्थितियाँ)

Unsafe machinery, lack of safety measures, poor ventilation, and unhygienic workplaces resulted in frequent accidents and health issues. Workers realized that individual resistance was ineffective, which led to the formation of unions for collective bargaining.

असुरक्षित मशीनें, सुरक्षा उपायों की कमी, खराब वेंटिलेशन और गंदे कार्यस्थल दुर्घटनाओं और बीमारियों का कारण बने। श्रमिकों ने समझा कि अकेले विरोध करना बेकार है, इसलिए सामूहिक सौदेबाजी के लिए ट्रेड यूनियन बने।

LOW WAGES AND ECONOMIC INSECURITY
(कम मजदूरी और आर्थिक असुरक्षा)

Low wages were insufficient to meet basic needs. Irregular employment and sudden retrenchment increased insecurity among workers. Trade unions helped workers negotiate better wages and job security.

कम मजदूरी से श्रमिकों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होती थीं। अनियमित रोजगार और अचानक छंटनी से असुरक्षा बढ़ी। ट्रेड यूनियनों ने बेहतर वेतन और नौकरी की सुरक्षा के लिए संघर्ष किया।

GROWTH OF CAPITALISM
(पूंजीवाद का विकास)

The capitalist system widened the gap between employers and employees. While capitalists accumulated wealth, workers remained poor. This inequality motivated workers to organize themselves through trade unions.

पूंजीवादी व्यवस्था ने मालिक और श्रमिक के बीच की खाई बढ़ा दी। जहाँ पूंजीपति अमीर होते गए, वहीं श्रमिक गरीब रहे। इस असमानता ने ट्रेड यूनियनों के विकास को जन्म दिया।

RISE OF CLASS CONSCIOUSNESS
(वर्ग चेतना का उदय)

Workers developed a sense of unity and class consciousness. They began to identify themselves as a separate working class with common interests, which strengthened trade union movements.

श्रमिकों में वर्ग चेतना का विकास हुआ। उन्होंने स्वयं को समान हितों वाले एक अलग वर्ग के रूप में पहचानना शुरू किया, जिससे ट्रेड यूनियन आंदोलन मजबूत हुआ।

SPREAD OF EDUCATION AND AWARENESS
(शिक्षा और जागरूकता का प्रसार)

Education helped workers understand their rights and duties. Newspapers, books, and political movements spread awareness, encouraging workers to organize unions.

शिक्षा ने श्रमिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी। समाचार पत्रों, पुस्तकों और राजनीतिक आंदोलनों ने जागरूकता फैलाकर ट्रेड यूनियनों को बढ़ावा दिया।

INFLUENCE OF SOCIALIST AND MARXIST IDEOLOGIES

(समाजवादी और मार्क्सवादी विचारधाराओं का प्रभाव)

Socialist and Marxist thinkers emphasized workers' rights and collective ownership. Their ideas inspired workers to form unions and fight against capitalist exploitation.

समाजवादी और मार्क्सवादी विचारकों ने श्रमिक अधिकारों और सामूहिक स्वामित्व पर जोर दिया। उनके विचारों ने श्रमिकों को ट्रेड यूनियन बनाने के लिए प्रेरित किया।

POLITICAL SUPPORT
(राजनीतिक समर्थन)

Political parties supported trade unions to gain workers' support. This political backing strengthened union activities and expanded their reach.

राजनीतिक दलों ने श्रमिकों का समर्थन पाने के लिए ट्रेड यूनियनों को बढ़ावा दिया। इस समर्थन से यूनियनों की शक्ति और प्रभाव बढ़ा।

LEGAL RECOGNITION
(कानूनी मान्यता)

Legal recognition through labor laws gave legitimacy to trade unions. Laws related to minimum wages, working hours, and collective bargaining promoted union growth.

श्रम कानूनों के माध्यम से कानूनी मान्यता मिलने से ट्रेड यूनियन मजबूत हुए। न्यूनतम मजदूरी, कार्य घंटे और सामूहिक सौदेबाजी से जुड़े कानूनों ने यूनियनों को बढ़ावा दिया।

GROWTH OF DEMOCRACY
(लोकतंत्र का विकास)

Democratic systems encouraged freedom of association and expression. Workers could legally form unions and express grievances.

लोकतांत्रिक व्यवस्था ने संगठन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी, जिससे श्रमिक बिना डर के ट्रेड यूनियन बना सके।

ROLE OF INDUSTRIAL DISPUTES
(औद्योगिक विवादों की भूमिका)

Frequent strikes, lockouts, and disputes highlighted the need for strong worker organizations to protect labor interests.

हड़तालों, तालाबंदी और औद्योगिक विवादों ने श्रमिक संगठनों की आवश्यकता को उजागर किया।

LEADERSHIP AND TRADE UNION LEADERS

(नेतृत्व और ट्रेड यूनियन नेता)

Charismatic and committed leaders played a vital role in organizing workers and strengthening trade unions.

कुशल और समर्पित नेताओं ने श्रमिकों को संगठित कर ट्रेड यूनियनों को मजबूत बनाया।

URBANIZATION
(शहरीकरण)

Urbanization concentrated workers in industrial cities, making organization easier and unions stronger.

शहरीकरण के कारण श्रमिक एक स्थान पर केंद्रित हुए, जिससे ट्रेड यूनियन बनाना आसान हुआ।

TECHNOLOGICAL CHANGES
(तकनीकी परिवर्तन)

Mechanization caused job losses and skill redundancy, motivating workers to unite for protection.

मशीनीकरण से रोजगार छिनने लगे, जिससे श्रमिकों ने सुरक्षा के लिए ट्रेड यूनियन बनाए।

EMPLOYER OPPOSITION
(नियोक्ताओं का विरोध)

Employer resistance ironically strengthened unions as workers united against suppression.

मालिकों के विरोध ने श्रमिकों को और अधिक संगठित कर दिया।

INTERNATIONAL LABOR MOVEMENTS
(अंतरराष्ट्रीय श्रमिक आंदोलन)

International organizations like ILO promoted labor rights globally, encouraging unionization.

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संगठनों ने श्रमिक अधिकारों को बढ़ावा दिया, जिससे यूनियन आंदोलन मजबूत हुआ।

ECONOMIC CRISES
(आर्थिक संकट)

Recessions and unemployment made workers realize the importance of collective protection.

आर्थिक मंदी और बेरोजगारी ने सामूहिक सुरक्षा की आवश्यकता को उजागर किया।

CONCLUSION
(निष्कर्ष)

The growth of trade unions is the result of multiple interconnected factors. Economic exploitation, political support, legal recognition, and worker awareness together contributed to the strengthening of trade unions.

ट्रेड यूनियनों का विकास कई परस्पर जुड़े कारकों का परिणाम है। आर्थिक शोषण, राजनीतिक समर्थन, कानूनी मान्यता और श्रमिक जागरूकता ने मिलकर ट्रेड यूनियनों को मजबूत बनाया।